

डॉ.नीना छिब्बर

जोधपुर, राजस्थान

उम्मीद

मात्र एक शब्द नहीं है
इसमें छिपा है एक संपूर्ण संसार
यह है आशा का इतिहास और जीत का विज्ञान
उम्मीद है भूखे के लिए स्वादिष्ट रोटी
प्यासे के लिए ओक भर पानी
थके हुए के लिए पेड़ की छाया
अकेले के लिए साथी अनजान||
उम्मीद
मात्र एक शब्द नहीं है
यह जगाता है मरूस्थल में हरियल आस
सागर में मीठे पानी का विश्वास
चिलचिलाती गर्मी में बादल का टुकड़ा
घोर वर्षा में सर पर टूटी छत
अंधेरी रात में दिए का प्रकाश||
उम्मीद
मात्र एक शब्द नहीं है
यह है जादू की बंद पुड़ियाँ
जिस में छिपी हैं लाखों आशाएं
खोलोगे तो अदृश्य हो जांएगी
बस रखों इसे जेब में सुरक्षित
कूच करो ,जीत लो जग||

एक जिद्दी मानव

कठिन जब काम हो
हिम्मत की जब बात हो
मोडने हो तूफानों के रूख
बदलनी हो लहरों की चाल
आँधियों में बाँधनी हो पाल
मानव के भीतर की जिद्द
चट्टानों सी मजबूत, सूरज सी प्रखर
कर देती अपना काम ||

सरलता से सुलझाने हो दंद्ध
आत्मशक्ति की जब बात हो
भीतरी उहापोह को जब मिटाना हो
अपनी ही कमियों को जब स्वीकारना हो

अकेले ही तय करनी पड़े कठिन ड़गर
तब मानव के भीतर की जिद्द
ठान कर ,मान कर अपनी ही जीत
. कर देती अपना काम है ||